2023

SANSKRIT

B.A. First Semester End Examination - 2023

PAPER - MI-01

Full Marks : 60 *Time : 3 hours*

The figures in the right-hand margin indicate marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
Illustrate the answers wherever necessary.

A. यथाकामं दश प्रश्नान् संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च उत्तरत– **2×10=20**

1. परिनिष्ठितं रूपं लिखत–

   गम् + तव्य ; दा + यत्

   (परिणत रूप लेख – गम् + तव्य; दा + यत्)

2. परिनिष्ठितं रूपं लिखत –

   आ-रूह् +ल्यप् ; कृ + क्त्वा

   (परिणत रूप लेख – आ+ रूह् + ल्याप् ; कृ + क्त्वा

3. परिनिष्ठितरूपं लिखत – लभ् + शानच्; पा + शतृ

(পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখ – লভ + শানচ; পা + শতৃ)

4. परिनिष्ठितरूपं लिखत – छिद् + तुमुन्; वच् + तुमुन्

(পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখ – ছিদ + তুমুন; বচ + তুমুন)

5. धातुं प्रत्ययं च निर्दिशत – पठितव्य; ज्ञात

(ধাতু এবং প্রত্যয় নির্ণয় কর – পঠিতব্য; জ্ঞাত)

6. धातुं प्रत्ययं च निर्दिशत – गीत; पाक।

(ধাতু এবং প্রত্যয় নির্ণয় কর – গীত ; পাক)

7. धातुं प्रत्ययं च निर्दिशत – भक्ति; दर्शन

(ধাতু এবং প্রত্যয় নির্ণয় কর – ভক্তি ; দর্শন)

8. अव्यययोगेन शुद्धं वाक्यं रचयत – 'विना'।

(অব্যয় যোগে শুদ্ধ বাক্য রচনা কর – 'বিনা')

9. अव्यययोगेन शुद्धं वाक्यं रचयत – प्रातः।

(অব্যয় যোগে শুদ্ধ বাক্য রচনা কর – প্রাতঃ)

(Continued

10. अव्यययोगेन शुद्धं वाक्यं रचयत – किमर्थम्'।

(অব্যয় যোগে শুদ্ধ বাক্য রচনা কর— 'কিমর্থম্')

11. अव्यययोगेन शुद्धं वाक्यं रचयत – 'यदा-तदा'।

(অব্যয়যোগে শুদ্ধ বাক্য রচনা কর – 'যদা-তদা')

12. रेखाङ्कितपदस्य सकारणं विभाक्तिं निर्णयत <u>चन्द्रं</u> पश्यति।

(রেখাঙ্কিত পদের কারণসহ বিভক্তি নির্ণয় কর – চন্দ্রং পশ্যতি।

13. रेखाङ्कितपदस्य सकारणं विभाक्तिं निर्णयत – हे <u>हरे</u>! मां रक्ष।

(রেখাঙ্কিত পদের কারণসহ বিভক্তি নির্ণয় কর – হে <u>হরে</u>! মাং রক্ষ)

14. कारकं कतिविधम्? कानि च तानि?

(কারক কয়প্রকার ? সেগুলি কি কি ?)

15. कर्तृकारकविधायकं सुत्रद्वयं उल्लिखत?

(কর্তৃকারকবিধায়ক দুটি সূত্র লেখ।)

(Turn Over)

B. यथेच्छं चत्वार : प्रश्ना : समाधेया :। 5×4=20

1. यथानिर्देशं शब्दानां रूपाणि लिखत।

क) नदी शब्दस्य तृतीयाया : एकवचनम्।

ख) साधु शब्दस्य षष्ठ्या : बहुवचनम्।

ग) लता - शब्दस्य द्वितियाया : बहुवचनम्।

घ) मुनि - शब्दस्य सप्तम्या : एकवचनम्।

ङ) युष्मद् - शब्दस्य पञ्चम्या : बहुवचनम्।

1. নির্দেশানুসারে শব্দরূপ লেখ।

ক) নদী- শব্দের তৃতীয়ার একবচন।

খ) সাধু শব্দের ষষ্ঠীর বহুবচন।

গ) লতা – শব্দের দ্বিতীয়ার বহুবচন।

ঘ) মুনি – শব্দের সপ্তমীর একবচন।

ঙ) যুস্মৎ - শব্দের পঞ্চমীর বহুবচন।

2. यथानिर्देशं शब्दानां रूपाणि लिखत।

क) मति - शब्दस्य पञ्चम्या : एकवचनम्।

ख) गुणिन् - शब्दस्य षष्ठ्या : बहुवचनम्।

ग) असमद् - शब्दस्य द्वितीयाया : बहुवचनम्।

घ) पितृ - शब्दस्य षष्ठया : एववचनम्।

ङ) फल - शब्दस्य प्रथमाया : बहुवचनम्।

2. নির্দেশানুসারে শব্দরূপ লেখ।

ক) মতি - শব্দের পঞ্চমীর একবচন।

খ) গুনিন্ - শব্দের ষষ্ঠীর বহুবচন।

গ) অস্মদ্ - শব্দের দ্বিতীয়ার বহুবচন।

ঘ) পিতৃ - শব্দের ষষ্ঠীর একবচন।

ঙ) ফল – শব্দের প্রথমার বহুবচন।

3. यथानिर्देशमुत्तरत –

(i) सन्धिं कुरुत –

क) बालका : गच्छन्ति।

ख) मुनि : च।

ग) स : अस्ति।

(ii) सन्धिविच्छेदं कुरुत–

क) विद्यालय :।

ख) देव्यागच्छति।

3. নির্দেশানুসারে উত্তর দাও ঃ

(i) সন্ধি কর

ক) বালকাঃ গচ্ছন্তি

খ) [illegible]

গ) সঃ অপি।

(ii) সন্ধি বিচ্ছেদ কর

ক) विद्यालयः।

খ) इत्यागच्छति।

4. वाच्यान्तरं कुरुत।

क) रामः पुस्तकं पठति।

ख) छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति।

ग) मया अन्नं भुक्तम्।

घ) मया जलं पीयते।

ङ) शिष्यैः गुरुः सेव्यते।

4. বাচ্য পরিবর্তন কর।

ক) রামঃ পুস্তকং পঠতি।

খ) ছাত্রাঃ বিদ্যালয়ং গচ্ছন্তি।

গ) ময়া অন্নং ভুক্তম্।

15 98

ঘ) ময়া জলং পীয়তে।

ঙ) শিষ্যৈঃ গুরুঃ সেব্যতে।

5. टीका लेख्या – करणकारकम्

টীকা লেখ – করণকারক।

6. टीका लेख्या – द्विकर्मक धातु।

টীকা লেখ – দ্বিকর্মক ধাতু

C. यथेच्छं द्वौ समाधत्त। **10×2=20**

1. वाक्यानां संस्कृतभाषया अनुवादं कुरुत।

(সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ কর)

ক) ছাত্রীরা ট্রেনে করে ভ্রমণের জন্য দিল্লী যাচ্ছে।

খ) রামের ভাই শ্যাম মেদিনীপুরে বাস করে।

গ) গৃহস্বামী পথিককে জল দেবেন।

ঘ) তোমরা গ্রাম থেকে পড়াশোনার জন্য শহরে যাচ্ছো।

ঙ) আমি সাইকেলে করে দোকানে যাচ্ছি।

2. कृ-धातो : अथवा सेव्-धातो : लट्- लोट् - लङ् - विधिलिङ् - लृट् - लकारेषु रूपाणि लिखत।
(कृ-धातु অথবা সেব্-ধাতুর লট্-লোট্-লঙ্-বিধিলিঙ্-লৃট্ ল-কারের রূপগুলি লেখ।)

3. द्वितीया विभक्तिविधायकानि सुत्राणि पाठ्यानुसारम् उपस्थापयत।
(দ্বিতীয়া বিভক্তি বিষয়ক সূত্রগুলি পাঠ্যানুসারে আলোচনা কর)